Class -6

1 भाषा, लिपि और व्याकरण (Language, Script and Grammar)

भाषा

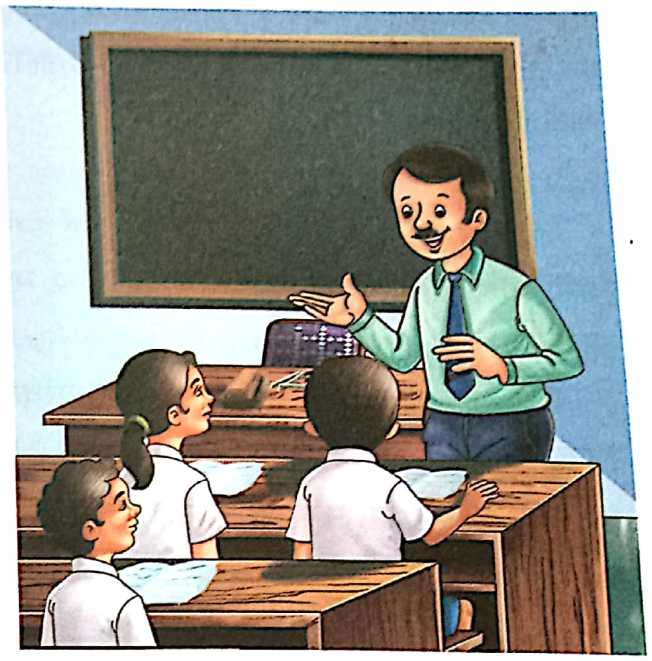

आज कक्षा छः का पहला दिन है। सभी बच्चे बड़े उत्साहित दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने कक्षा पाँच पास करके कक्षा छः में दाखिला लिया है। अतः नई-नई कक्षा, नई-नई किताबें और नये-पुराने सहपाठी। इस वजह से बच्चे कुछ ज़्यादा ही प्रफुल्लित हो रहे हैं। कक्षा में अध्यापक मुस्कराते हुए आते हैं और सभी बच्चों से बोलकर उनका नाम पूछते हैं। सभी बच्चे बारी-बारी से अपना नाम अध्यापक महोदय को बताते हैं। उसके पश्चात् अध्यापक श्यामपट्ट (Black-Board) पर समय-सारिणी (Time-Table) लिखकर बच्चों से उसे उत्तर-पुस्तिका में लिखने के लिए कहते हैं और बच्चे उसे पढ़कर तथा समझकर लिखते हैं।

उपरोक्त वाक्यों में अध्यापक और बच्चे बोलकर, सुनकर, लिखकर तथा पढ़कर अपने मन के भावों का आदान-प्रदान कर रहे हैं। अतः **भाषा** वह माध्यम् है जिसके द्वारा हम अपने विचारों या मनोभावों को दूसरों के समक्ष व्यक्त करते हैं।

भाषा के तीन रूप होते है—

❖ मौखिक भाषा

जब हम अपने मन के भावों को बोलकर दूसरों के सामने प्रकट करते हैं, तब वह भाषा का **मौखिक रूप** कहलाता है; जैसे— वाद-विवाद, संवाद, भाषण इत्यादि।

जैसे— नेता जी भाषण दे रहे हैं।

❖ लिखित भाषा

जब हम अपने मन के भावों को लिखकर दूसरों के सामने प्रकट करते हैं, तब वह भाषा का **लिखित रूप** होता है जैसे— संदीप कंप्यूटर पर ई-मेल कर रहा है।

Scanned with CamScanner

Class - 6

❖ सांकेतिक भाषा

बच्चो, आपने चौराहे पर ट्रैफिक लाइट देखी होगी और गौर किया होगा कि लाल बत्ती होने पर सभी लोग रुक जाते हैं और पीली बत्ती होने पर चलने के लिए तैयार हो जाते हैं तथा हरी बत्ती पर चलने लगते हैं। ये सभी संकेत हैं।

अपने मंतव्य को व्यक्त करने के लिए संकेतों या इशारों का सहारा लिया जाए, तब वह **सांकेतिक भाषा** कहलाती है; जैसे— हाथ हिलाकर बाय (Bye) करने का इशारा, मुँह पर उँगली रखकर चुप करने का इशारा करना आदि। परंतु हमेशा संकेतों के द्वारा अपनी बात कही व समझाई नहीं जा सकती है, इसलिए सांकेतिक रूप की गणना व्याकरण में नहीं की जाती है।

लिपि

मौखिक ध्वनियों को लिखित रूप में प्रकट करने के लिए निश्चित किए गए चिह्नों की व्यवस्था को '**लिपि**' कहते हैं। किसी भी भाषा को लिखने व समझने के लिए सर्वप्रथम उस भाषा के वर्णों एवं चिह्नों की जानकारी का होना अत्यंत आवश्यक है।

हिंदी भाषा की लिपि देवनागरी है। यह संस्कृत का विस्तृत रूप है। संस्कृत की लिपि भी देवनागरी ही है, जबकि पंजाबी की गुरुमुखी, अंग्रेज़ी की रोमन व उर्दू की लिपि अरबी-फ़ारसी है।

लिपि के बगैर हम भाषा के लिखित रूप की कल्पना भी नहीं कर सकते। लिपि के विस्तृत होने के कारण ही हम भाषा को चिह्नित कर पाए हैं।

कुछ भाषाओं की लिपियाँ निम्नलिखित हैं—

भाषा	लिपि	भाषा	लिपि
हिंदी	देवनागरी	अंग्रेज़ी	रोमन
पंजाबी	गुरुमुखी	उर्दू	अरबी-फ़ारसी
मराठी	देवनागरी	संस्कृत	देवनागरी
गुजराती	देवनागरी	बांग्ला	बंगाली

सभी भाषाओं में एक जैसी लिपि की व्यवस्था नहीं होती। हिंदी और अंग्रेज़ी भाषा की लिपि बाईं से दाईं ओर लिखी जाती है तथा अरबी, फ़ारसी, उर्दू भाषा की लिपि दाईं से बाईं ओर लिखी जाती है।

लिपि की उपयोगिता

लिपि की अनेक उपयोगिताएँ हैं—

- लिपि का रूप लेकर लिखे जाने पर विचार सुनिश्चित और स्थायी हो जाते हैं।
- लिपि, विचारों को समय से आगे बढ़ा देती है।
- लिपि की मदद से ही विचार, ज्ञान-विज्ञान, नई खोज और जानकारी, प्रसार और विस्तार पाती है। संसार के किसी भी कोने में प्राप्त जानकारी हर कोने में पहुँचती है और उसका लाभ संपूर्ण मानवता को मिलता है।
- प्रथम उपयोगिता तो स्वयं भाषा के लिए ही होती है। दुनिया में वे ही भाषाएँ जीवित रहती और विकास करती हैं जिनकी स्वयं कोई लिपि होती है।

Scanned with CamScanner

Class-6

व्याकरण हमें भाषा के लिखित और मौखिक दोनों रूपों से संबंध रखने वाले नियमों का विशेष ज्ञान कराता है। वह भाषा के नियम ही नहीं बनाता बल्कि किसी भाषा के प्रचलित और सर्वमान्य रूप को आधार मानकर उसके सही रूप से हमें परिचित कराता है। 'व्याकरण' शब्द का अर्थ है— टुकड़े-टुकड़े करना अर्थात् व्याकरण भाषा के मौखिक और लिखित रूपों के सभी अंगों—ध्वनि, वर्ण, शब्द और वाक्य आदि को अलग-अलग करके उनके शुद्ध और अशुद्ध प्रयोग का ज्ञान कराता है। समय के साथ-साथ भाषा और लिपि में आने वाले परिवर्तनों और नए प्रयोगों को भी व्याकरण स्वीकार करता है और लोगों को उनसे परिचित कराता है।

व्याकरण वह शास्त्र है जिसके नियमों के द्वारा हम शुद्ध भाषा बोलना, लिखना-पढ़ना सीखते हैं अर्थात् व्याकरण भाषा के शुद्ध रूप की जानकारी देता है।

व्याकरण के भाग

भाषा की मूल इकाई वाक्य होता है क्योंकि हम वाक्य द्वारा ही विचार संप्रेषित करते हैं। व्याकरण के माध्यम से भाषा की एकरूपता को बनाए रखा जा सकता है। वाक्य शब्दों या पदों से बनते हैं और शब्द या पद वर्णों से बनते हैं। व्याकरण के मूलतः तीन भाग होते है—

- वर्ण-विचार — इसमें वर्णों के बारे में विचार किया जाता है।
- शब्द या पद-विचार — इसमें अनेक शब्दों या पदों की रचना के विषय में विचार किया जाता है।
- वाक्य-विचार — इसमें विविध प्रकार के वाक्यों और उनके शब्दों के बारे में विचार किया जाता है।

आइए दोहराएँ (Let's Recall)

- भाषा के तीन रूप हैं– मौखिक, लिखित और सांकेतिक।
- सांकेतिक भाषा, भाषा का अन्य रूप है।
- मौखिक ध्वनियों को लिखित रूप में प्रकट करने वाले चिह्नों की व्यवस्था को लिपि कहते हैं।
- व्याकरण हमें भाषा के शुद्ध रूप की जानकारी देता है।
- मनुष्य द्वारा मन के विचारों को व्यक्त करने का माध्यम भाषा कहलाता है।

रचनात्मक मूल्यांकन (Formative Evaluation)

सोचो और बताओ—

(क) अपने मित्र को कंप्यूटर पर ई-मेल भेजने के लिए आप भाषा के कौन-से रूप का प्रयोग करेंगे?

संकलित मूल्यांकन (Summative Evaluation)

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखो—

क) भाषा से आप क्या समझते हैं तथा इसके कितने प्रकार हैं? उदाहरण देकर बताओ।

.....

Scanned with CamScanner

(ख) लिपि की परिभाषा लिखो।

.....

(ग) भाषा-ज्ञान में लिपि की क्या उपयोगिता है? बताओ।

.....

(घ) हिंदी की लिपि का नाम बताओ। यह भी बताओ कि अन्य कौन-कौन-सी भाषाएँ इस लिपि में लिखी जाती हैं?

.....

(ङ) क्या सभी लिपियाँ बाएँ से दाएँ लिखी जाती हैं? विभिन्न प्रकार से लिखी जाने वाली लिपियों के नाम बताओ।

.....

2. सही शब्द से रिक्त स्थान भरो—

लिपि हिंदी और अंग्रेज़ी टुकड़े-टुकड़े करना व्याकरण मौखिक भाषा

(क) जो भाषा बोलकर प्रकट की जाए, उसे ..... कहते हैं।

(ख) 'व्याकरण' शब्द का अर्थ है .....।

(ग) मौखिक ध्वनियों को लिखित रूप में प्रकट करने के लिए निश्चित किए गए चिह्नों की व्यवस्था को ..... कहते हैं।

(घ) ..... भाषा की लिपि बाईं से दाईं ओर लिखी जाती है।

(ङ) भाषा की शुद्धता का ज्ञान हमें ..... कराता है।

. सही कथन पर (✓) और गलत कथन पर (✗) का चिह्न लगाओ—

(क) भारत की राष्ट्रभाषा उर्दू है। ☐

(ख) हिंदी की लिपि रोमन है। ☐

(ग) भाषण, वार्तालाप, आकाशवाणी, परिचर्या आदि मौखिक भाषा के रूप हैं। ☐

(घ) व्याकरण के द्वारा हमें भाषा के शुद्ध और अशुद्ध रूप का ज्ञान होता है। ☐

(ङ) किसी भाषा को लिखने की विधि लिपि कहलाती है। ☐

निम्नलिखित क्रियाओं में भाषा के किस रूप का प्रयोग है?

(क) पत्र लिखना – .....

(ख) समाचार पत्र पढ़ना – .....

(ग) दादी की कहानी सुनना – .....

(घ) ई-मेल करना – .....

(ङ) एस.एम.एस. करना – .....

(च) वाद-विवाद करना – .....

निम्नलिखित प्रदेशों में बोली जाने वाली भाषाओं के नाम लिखो—

केरल – .....

ध्य प्रदेश – .....

जरात – .....

श्चिम बंगाल – .....

मिलनाडु – .....

मलयालम – .....

महाराष्ट्र – .....

जम्मू-कश्मीर – .....

हरियाणा – .....

बिहार – .....

Scanned with CamScanner

M.K.D. PUBLIC SCHOOL

Sarai Rai Chanda, Mungra Badshahpur, Jaunpur,

Session – 2020-21

Class-6th

विषय – हिन्दी व्याकरण

पाठ – 1 भाषा, लिपि और व्याकरण

1. भाषा वह माध्यम है जिसके द्वारा हम अपने विचारों या मनोभावों को दूसरों के समक्ष व्यक्त करते हैं

2. भाषा के तीन रुप होते हैं।

   1 मौखिक भाषा जो बोलकर और सुनकर विचारों को व्यक्त करने व समझने का माध्यम है।

   2 लिखित भाषा जो लिखकर और पढकर विचारों को व्यक्त करने व समझने का माध्यम है।

   3 सांकेतिक भाषा जो संकेतो या इशारों द्वारा विचारो को व्यक्त करने व समझने का माध्यम हैं। जैसे हांथ हिलाकर बाय करने का इशारा।

3. मौखिक ध्वनियों को लिखित रुप में प्रकट करने वाले चिन्हों की व्यवस्था को लिपि कहते हैं।
4. हिंदी और अंग्रेजी भाषा की लिपि बाई से दाई ओर लिखी जाती है तथा अरबी, फारसी, उर्दू भाषा की लिपि दाई से बाई ओर लिखी जाती है।
5. व्याकरण हमें भाषा के शुद्ध रुप की जानकारी देता है।
6. व्याकरण के मूलतः तीन भाग होते हैं-

   वर्ण विचार। शब्द या पद विचार। वाक्य विचार।

उपरोक्त बिन्दुओं को ध्यान पूर्वक पढकर अभ्यास कार्य कीजिए-

प्रश्न-1 भाषा से आप क्या समझते है? इसके कितने भेद हैं उदाहरण देकर बताओ।

M.K.D. PUBLIC SCHOOL

प्रश्न-2 लिपि की परिभाषा लिखो।

प्रश्न-3 व्याकरण किसे कहते हैं? इसके विभागों के नाम लिखिए।

प्रश्न-4 हिन्दी, मराठी, गुजराती एवं संस्कृत भाषा की लिपि एक ही है इस लिपि का नाम बताओ।-

प्रश्न-5 भारत में 22 भाषाओं को मान्यता प्राप्त सभी भाषाओं के नाम लिखिए।

M.K.D.PUBLIC SCHOOL